Library

School of Planning and Architecture, Bhopal

S.No.01 November,2021

पीपुल्स समाचार 24/11/2021 पेज क्र 11

काठ-खुनी, हिमालयी वास्तुकला की समृद्धि और सुंदरता को दर्शाता है

मानव संग्रहालय में हिमालयी वास्तुकला पर व्याख्यान

रिपोर्टर • IamBhopal
Mobile no. 9827080406

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय द्वारा विश्व धरोहर सप्ताह के अवसर पर 'हिमालयी वास्तुकलाः इसकी भव्यता और महत्व' नामक एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। सीईपीटी विश्वविद्यालय (अहमदाबाद) के प्रोफेसर जय ठक्कर और मानसी शाह द्वारा काठ-खुनी आर्किटेक्चर ऑफ द हिमालयः सस्टेनेबिलिटी एंड चेंज विषय पर दिया गया। प्रोफेसर जय ठक्कर ने कहा कि हिमालय के पर्वतीय क्षेत्रों मे पारंपरिक भवन निर्माण की प्रथा को काठ-खुनी रूप में जाना जाता है। वर्तमान में भवन निर्माण की तकनीक के संभावित तरीकों पर प्रकाश डालते हुए पारंपरिक ज्ञान पद्धति को विश्व के समकालीन समाज में अपनाने पर बल दिया।

स्थानीय कारीगरों से सीखना होगा काम

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर के निदेशक प्रोफेसर एन. श्रीधरन ने कहा कि हिमाचल से लेकर के अरूणाचल प्रदेश तक के मकान बनाने मे उपयोग होने वाली विभिन्न प्रकार की सामग्री गाव, ब्लॉक, क्षेत्र मे अलग-अलग होता है इसलिए इसका प्रलेखन आवश्यक है। पर्वती क्षेत्र एवं समतल क्षेत्र मे उपयोग होने वाले सामग्री तथा स्थानीय कारीगर से प्रत्येक प्रकार के तकनीकी ज्ञान को रहकर सीखना होगा साथ ही परपरा मे निहित प्रत्येक ज्ञान को सरक्षित करना होगा। कार्यक्रम का संचालन सहायक कीपर, डॉ. सूर्य कुमार पाण्डेय ने किया एवं हिमालय ग्राम मुक्ताकाश प्रदर्शनी के प्रभारी अधिकारी सहायक क्यूरेटर डॉ. आरएम नथाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।